CIJ-02

ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि

विवरणिका

इकाई सं.	इकाई का नाम	पृ.सं.
इकाई - 1	पंचांग का व्यावहारिक जीवन में उपयोग	4
इकाई - 2	जन्म पत्रिका, सूर्योदय, वेलान्तर स्पष्टान्तर ज्ञान, इष्टकाल निर्णय	45
इकाई - 3	इष्टकाल से जन्म कुण्डली निर्माण, ग्रह साधन, (चालन धन-ऋण) भयात्-भभोग	68
इकाई - 4	लग्नस्पष्ट साधन, भुक्त-भोग्य साधन	86
इकाई - 5	दशम साधन, नतोन्नत प्रकार व चलित चक्र	109
इकाई - 6	कारक ग्रह, चर-स्थिर कारक, कारक ज्ञान, होरा द्रेष्काण	135
इकाई - 7	(नवमांश, सप्त-मांश, त्रिशांश) सहित दश वर्ग विचार	153
इकाई - 8	नवमांश, सप्त मांश, त्रिशांश व द्वादशांश	177
इकाई - 9	विवाह योग में जन्मपत्रिका मिलान का महत्त्व	189
इकाई - 10	विभिन्नो योग – राजयोग, गजकेशरीयोग,सरस्वरती योग, नीचभड़ग योग, महालक्ष्मीम योग	228
इकाई - 11	ज्योतिष शास्त्र और जटिल रोगों का सम्बन्ध	249
इकाई - 12	गर्भाधान	272